ओ साँवरिया तूने पागल ही कर दिया

ओ साँवरिया तूने पागल ही कर दिया
कारे कारे नैनो से घायल ही कर दियां
ओ साँवरिया तूने पागल ही कर दिया

मेरी सुध बुध विसरा के दिल का रोग लगा के ,
इक झलक दिखला के श्याम कहा छिपा है जाके,
मुरली की धुन पे तूने सब को नचा दिया
ओ साँवरिया तूने पागल ही कर दिया

ब्रिज की कुञ्ज गलिन में जब देखा नन्द लाला
अखियन आगे आये श्याम तेरा मुखड़ा भोला भाला
ना नींद मुझको आये चैन चुरा लियां
ओ साँवरिया तूने पागल ही कर दिया

देख सूरतियाँ प्यारी मती गई मेरी मारी
मारी नैन कटारी श्याम मैं डोलू मारी मारी
ओ संवारे सलोने काहे सता रहा
ओ साँवरिया तूने पागल ही कर दिया

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18027/title/o-sanwariyan-tune-pagal-hi-kar-diya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |